''स्पंदन''

समाचार - पत्रिका

राजस्थान महिला कल्याण मण्डल संस्था, चाचियावास (अजमेर) का त्रैमासिक समाचार पत्र
(सोसाइटी रजिस्ट्रेशन एक्ट, 1958 के अन्तर्गत पंजीकृत संस्था पंजीयन सं. 19/ए.जे.एम./87-88)

केवल निजी वितरण हेतु | अंक (22) वर्ष (5) | दिसम्बर 2013 से फरवरी 2014

''सम्पादकीय''

मेले का नाम सुनते ही हमारा मन झूले, चाट-पकौड़ी, धमाल और मस्ती के बारे में सोचने लगता है मेला एक ऐसा आयोजन है जिसमें बच्चे, जवान और वृद्ध सभी भागीदार होने की सोचते है। वर्तमान में जब किसी के पास मनोरंजन और रिलेक्स होने का समय नहीं है तो ऐसे आयोजनों की प्रांसगिकता और बढ़ जाती है।

ऐसा ही आयोजन ''सम्मिलित बाल मेला -"Inclusive Bal Mela" संस्था द्वारा चाचियावास परिसर में दिनांक 8फरवरी 2014 को आयोजित किया गया। जिसमें ''सभी बच्चों'' ने आनन्द लिया। यह अंक इसी मेले के आकर्षण को आपके साथ बांटेगा।

मुख्य सम्पादक

लिखते रहिए आपके सुझावों एवं फीड बैक का हमेशा इंतजार रहता है, अतः कृपया लिखते रहिए
अब स्पंदन हमारी वेवसाइट (www.rmkm.org.in) पर भी उपलब्ध है।

सम्पादक मण्डल
मुख्य सम्पादक : राकेश कुमार कौशिक
: सम्पादन समिति :
क्षमा आर. कौशिक, तरुण शर्मा, पद्मा चौहान, लक्ष्मणसिंह चौहान

आवश्यकता है

- बच्चों के नृत्य-गान कार्यक्रम हेतु म्यूजिक सिस्टम की।
- समुदाय आधारित कार्यक्रम के अन्तर्गत 7 वंचित परिवारों के बच्चों के लिए श्रवण यंत्र की।
- आवासीय विद्यालय में प्रथम तल पर जाने के लिए रेम्प निर्माण की।

बाल मेले का उद्घाटन

दिनांक 8 फरवरी 2014 ''सम्मिलित बाल मेला'' 2014 के उद्घाटन समारोह की शुरूआत प्रातः 10:30 बजे अतिथियों के आगमन के साथ हुई। भारतीय परम्परानुसार समारोह में भाग लेने आए अतिथियों का विद्यालय के बच्चों द्वारा तिलक व मोली बांधकर स्वागत किया गया। अतिथियों में जिला कलेक्टर, अजमेर श्री वैभव गालरिया एवं उनकी पत्नी श्रीमती प्रतिभा गालरिया, श्री वी. के. कांकरिया प्राचार्य क्षेत्रीय शिक्षण संस्थान, अजमेर, श्री सोमरत्न आर्य (समाज सेवी), श्री अजय विक्रम सिंह (पूर्व रक्षा सचिव भारत सरकार) श्री एस.एस. सिंघल व श्री कमल शर्मा (रोटरी क्लब अजमेर) आदि मेले में उपस्थित थे।

मेले के उद्देश्य

संस्था की मुख्य कार्यकारी क्षमा आर कौशिक ने सभी का स्वागत किया एवं मेले के आयोजन के उद्देश्य के बारे में जानकारी देते हुऐ बताया कि इस तरह के आयोजनों से मनोरंजन के साथ-साथ विशेष बच्चों को सामान्य बच्चों के बराबर मंच प्रदान करके उनमें छिपी हुई प्रतिभाओं को बाहर लाया जा सकता हैं और सामान्य बच्चों को भी विशेष बच्चों की योग्यताओं और क्षमताओं से परिचित होने का मौका मिलता है।

बाल मेले में विकलांगता अनुभवति गतिविधियां

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी बाल मेले में फन जोन में अलग-अलग प्रकार की स्टालें लगाई गई परन्तु इस बार लगाई गई हर एक स्टॉल का एक विशेष उद्देश्य था। लोग अलग-अलग प्रकार की विकलांगता को देखते है और उन्हे देखकर सभी का अलग-अलग नजरिया होता है। कोई उन्हे दया की दृष्टी से देखता है तो कोई उन्हें घृणा की दृष्टी से। लेकिन कोई भी व्यक्ति उनकी विकलांगता को अनुभव नहीं करता, संस्था का उद्देश्य इस बार बाल मेले में आये लोगों को विकलांगता की जानकारी देने के साथ-साथ उन्हें उस विकलांगता को स्वयं महसूस करवाना भी था ताकि वे विकलांगता के प्रति संवेदनशील हो सके इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुये निम्न स्टॉल लगाई गई :

1) एक हाथ से शर्ट पहनना :

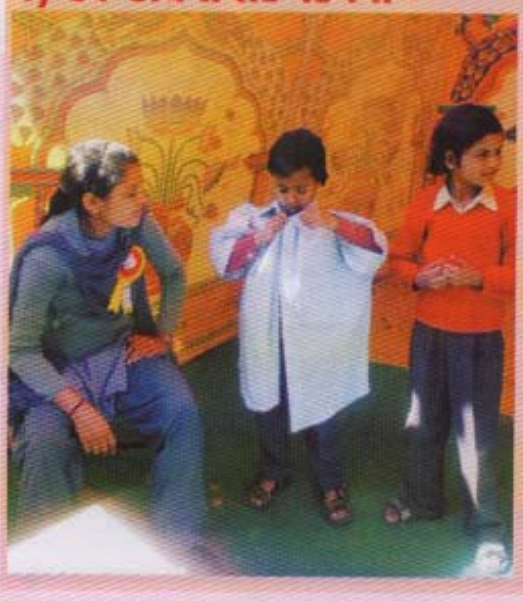

एक हाथ से विकलांग व्यक्तियों को अपना स्वयं का कार्य करने में कितनी परेशानियों का सामना करना पड़ता है यह महसूस करवाने के लिए यह स्टॉल लगाई गई इसमें एक मिनिट में एक हाथ से शर्ट पहनना था।

2) एक पांव से वस्तुएं लाना :

एक पांव से विकलांग व्यक्ति को चलने-फिरने और कार्य करने में किन-किन परेशानियों का सामना करना पड़ता है। वह कैसे चल पाता है, कैसे गिर सकता है ये सब स्वयं सामान्य व्यक्ति को महसूस करवाने के उद्देश्य से ये स्टॉल लगाई गई थी। इसमें प्रतियोगी को एक पांव से चलकर अधिक से अधिक वस्तुएं एकत्रित करना था।

3) प्रोब्लमेटिक विजन से निशाना साधना :

लोगों में किस-किस तरह की विजन प्रोब्लम होती है यह महसूस करवाने के उद्देश्य से यह स्टॉल लगाई थी। साधारणतया लोगों को यही पता होता है कि या तो विजन प्रोब्लम वाले लोगों को कम दिखता है, या बिल्कुल दिखाई नहीं देता है। जबकि वास्तव में उनमें विजन प्रोब्लम अलग-अलग कोणों से भी हो सकती है किसी को सिर्फ एक सेन्टर पॉइन्ट से दिखता है जिसे टनल विजन कहते है, किसी को सिर्फ साइड में दिखाई देता है, किसी को टुकड़ों में दिखाई देता है, किसी को सिर्फ कार्नर से दिखाई देता है, ये सभी विजन प्रोब्लम को सामान्य लोग महसूस कर सके इसके लिए अलग-अलग प्रकार के विजन प्रोब्लम के चश्में पहना कर गुब्बारों पर निशाना साधने की प्रतियोगिता थी इसमें लोगों को महसूस हुआ कि किस तरह की विजन प्रोब्लम होती है और वे लोग इस प्रोब्लम के साथ कैसे अपना जीवन यापन करते है।

4) बिना आवाज निकाले सन्देश एक दूसरे तक पहुँचाना :

मूक-बधिर लोगों को अपनी बात कहने में कितनी कठिनाईयां आती है यह महसूस करवाने के लिए एक पर्ची उठाकर उस पर लिखा सन्देश बिना बोले इशारों से अपने साथी तक पहुँचाना था।

5) अन्य : इसी प्रकार आंख पर पट्टी बांधकर चित्र में हिरण की पूंछ लगाना, बिना हाथ लगाये प्लेट में से अधिक से अधिक बिस्किट खाना आदि सभी प्रतियोगिताएं किसी न किसी विकलांगता के अनुभव को इंगित कर रही थी।

इसके अतिरिक्त मेहंदी, पेंटिंग एवं नृत्य प्रतियोगिता, कठपुतली प्रदर्शन, भेलपुरी-चाट-पकौड़ी-सेण्डविच, और आइसक्रीम की स्टालों ने मेले के आनन्द को खूब बढ़ाया। मेले में संस्था के विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी हेतु प्रदर्शनी भी लगाई गई। मेले में दूसरा दशक परियोजना पीसांगन की ओर से भी "विज्ञान के चमत्कार" की स्टॉल लगाई गई।

विशेष

यूं तो सम्मिलित बाल मेला सन् 2006से संस्था आयोजित करती आ रही है परन्तु इस वर्ष का बालमेला अपने-आप में अलग था क्योंकि इस वर्ष संस्था के पास फण्ड नहीं था कि मेला कैसे आयोजित किया जाये परन्तु सभी संस्था कार्यकर्ताओं के पास जोश एवं उत्साह जरूर था और इसी जोश एवं उत्साह का यह परिणाम रहा कि इस वर्ष का बाल मेला अन्य वर्षों की अपेक्षा भव्य तरीके से आयोजित हुआ बल्कि कई मायनों में संस्था को नई सीख और मार्गदर्शन मिला कि किस प्रकार संस्था आने वाले वर्षों में बाल मेला आयोजित करें।

फोटो गैलेरी

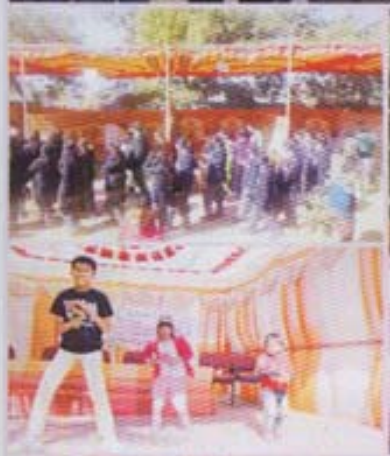

धन्यवाद अजमेर

फण्ड के अभाव में सभी कार्यकर्ताओं ने बाल मेले के आयोजन हेतु ईनामी कूपन के माध्यम से फण्ड एकत्र करने का निर्णय लिया। इस कार्यक्रम निम्न लोगों का सहयोग रहा जिनमे सबसे अधिक 4 विद्यालयों का सहयोग रहा :

मयूर स्कूल, अजमेर
रु. 22910/-

मेयो कॉलेज गर्ल्स स्कूल, अजमेर
रु. 16320/-

सेंट एन्सलम स्कूल, अजमेर
रु. 16130/-

दी संस्कृति स्कूल, अजमेर
रु. 9990/-

इसके अतिरिक्त जिन विद्यालयों / व्यक्तियों एवं संस्थाओं का मुख्य सहयोग रहा उनके नाम इस प्रकार हैं :

सीबीआर टीम अजमेर	11550
मीनू मनोविकास मन्दिर स्टॉफ, चाचियावास	11100
पूजा गुप्ता लायन्स क्लब, अजमेर	8540
ईस्ट प्वाइंट स्कूल अजमेर	6000
लायन्स क्लब अजमेर	6000
उम्मीद स्कूल, पुष्कर	3600
डीएड, विद्यार्थी, चाचियावास	3480
क्षेत्रीय शिक्षण संस्थान, अजमेर	3200
कमल शर्मा रोटरी क्लब, अजमेर	3000
आईडीयू स्टॉफ	2850
मिलिट्री स्कूल, अजमेर	2500
समर्थ हॉस्टल, स्टॉफ	2500
सुनील गोयल, अजमेर (मोबाइल हेतु)	2400
एसएचजी स्टॉफ	2200
मेयो कॉलेज जनरल काउन्सिल (बॉयज) अजमेर	2000
सोफिया स्कूल, अजमेर	2000
टर्निंग प्वाइंट स्कूल, अजमेर	2000
करनी सिंह राठौड़	2000
महेन्द्र कुमार जाजोरीया	2000
प्रशासनिक स्टॉफ, चाचियावास	1960
श्री मनोज शर्मा, प्रगति प्रिन्टर्स, अजमेर	1800
एसएन नुवाल, लायन्स क्लब, अजमेर (म्यूजिक सिस्टम हेतु)	1500
संगीता सामंत, अजमेर	1500
कलावती शर्मा	1500
निशा शेखावत, आर्यन इन्टरनेशनल कॉलेज, अजमेर	1340
भगवती प्रसाद सोनी	1200
वृंदावन स्कूल, अजमेर	1000
सेंट स्टीफन स्कूल, अजमेर	1000
लॉरेन्स एण्ड मेयो स्कूल, अजमेर	1000
कमल, आईसीआईसीआई बैंक	1000

अरविंद कुमार	1000
कुलदीप नैयर	1000
डॉ.मन्सुर अली, जयपुर	1000
श्री पवित्र कोठारी, संकल्प बिल्डर्स, अजमेर	1000
श्री सुरेन्द्र सिंह शेखावत, होटल दाता इन, अजमेर	1000
श्री हीरा सिंह रावत, सहारा इण्डिया	1000
मदर टैरेसा स्कूल, अजमेर	1000
अर्जुन सिंह राजावत	990
शिवलाल मेघवाल अरड़का, अजमेर	960
गायत्री परिहार	900
एचक्रेएच.स्कूल अजमेर	800
श्री सुखेश महेशवरी, एसएस.मेडिकल	800
श्री कमलेश गहलोत, सहारा इण्डिया	720
विद्युत उत्पाद रेलवे, अजमेर	700
इलाहबाद बैंक स्टाफ, अजमेर	700
सावित्री कॉलेज, अजमेर	600
लेखा विभाग, चाचियावास	600
कलेक्टर ऑफिस अजमेर	540
सेंट मैरी स्कूल, अजमेर	500
तेजा राम परिहार	500
श्री अशोक छजेड़, वर्धमान खादी भण्डार, अजमेर	500
मनीष/अमित जैन, जैन स्टेशनर्स, अजमेर	500
लेजाली मॉडल स्कूल, अजमेर	500
आर्यभट्ट कॉलेज, अजमेर	370
गोविंद प्रसाद भोजवानी	330
संकल्प स्कूल अजमेर	200
गोविन्द शर्मा	200
राजेश थंदानी	100
सुबोध विद्यालय नाका मदार, अजमेर	100
गौरव सेमसंग अजमेर	60
	योग 178150

संस्था सभी सहयोगी विद्यालयों के बच्चों, अभिभावकों एवं अध्यापकों का विशेष धन्यवाद और आभार व्यक्त करती हैं।

बाल मेले के आय-व्यय :

इस बाल मेले के माध्यम से संस्था ने 178150/- रुपये एकत्र किये इनमें से 35512/-रुपये टेन्ट, कूपन प्रिंटिंग, आवागमन, अल्पाहार आदि पर व्यय हुये जिनका विवरण निम्न प्रकार है

आय-व्यय विवरण

कुल आय		कुल व्यय
178150 .00	कूपन छपाई	21000.00
	टेन्ट	5500.00
	बॉल, गुब्बारे, मेहन्दी	1261.00
	चॉकलेट, माचिस	720.00
	माला, बैजेज	750.00
	आवागमन	551.00
	चश्मे	280.00
	मोबाइल खरीद (2)	2440.00
	म्यूजिक सिस्टम	1500.00
	ग्राउण्ड लेवलिंग	1108.00
	विविध खर्च	602.00
	योग	35512.00

विजेताओं और ड्रा निकालने वाले व्यक्तियों का विवरण

क्र. सं.	ड्रा निकालने वाले का नाम	कूपन सं.	विजेता
	प्रथम ईनाम :		
1	कलेक्टर श्री वैभव/प्रतिभा गालरिया, अजमेर	4540	शान्ति जोधा
	द्वितीय ईनाम :		
1	श्रीमती मोनिका एस. आरेजीत	2914	दिपांशु झा, ईस्टपाईन्ट स्कूल
2	श्री एसएमकौशिक	20076	सत्य नारायण
	तृतीय ईनाम :		
1	श्रीमती निशा शेखावत	20315	इन्नर व्हील क्लब
2	श्रीमती संगीता सामन्त	3729	प्रणय मिश्रा
3	श्री सोमरत्न आर्य	31896	ए.के. जैन
	सात्वना पुरस्कार :		
1	श्री एसएन.माथुर	1171	7568474473
2	श्रीमती क्षमा आर. कौशिक	5354	सोनू सिंह गार्गी
3	श्रीमती विमलेश कश्यप	339	मोहन सिंह
4	श्रीमती मंजू अग्रवाल	26404	करण सिंह
5	श्रीमती पदमा चौहान	4328	राहुल मिलिट्री स्कूल
6	श्रीमती मधु मिश्रा	29104	राम सिंह
7	सुश्री समृद्धि कौशिक	45095	इन्नर व्हील
8	श्री तरूण शर्मा	29504	प्रितेश
9	श्री राकेश कुमार कौशिक	10990	मानस चौहान
10	श्री रज्जबुल हुसैन	22881	पंकज

''अब करण, राजवीर हर्ष बहुउद्देशीय हॉल में स्वयं जा पाएंगे''

मेले के सभी सहयोग कर्ताओं का संस्था आभार व्यक्त करती है और आपको अवगत कराना चाहती है कि मेले में व्यय के पश्चात् जो धनराशि बची उसका उपयोग Disabled Friendly Ramp (विकलांग -मैत्री रेम्प) बनाने में किया जायेगा वर्तमान में संस्था के Multi Purpose Hall (बहुउद्देशीय हॉल) में जाने हेतु सीढ़ियां है जिसके कारण जिन बच्चों को चलने में समस्या है वो इस हॉल में आसानी से नहीं पहुँच पाते हैं किन्तु अब यह सम्भव हो सकेगा। ग्रीष्मावकाश के दौरान यह रेम्प निर्माण करवाया जायेगा। यद्यपि इस निर्माण पर अनुमानित दो लाख पचास हजार रूपये व्यय होने है तथा संस्था के पास उपलब्ध शेष राशि केवल 1,42,638/- रूपये ही है। अतः संस्था को 1,07362/- रूपये की रेम्प निर्माण के लिए और आवश्यकता होगी पर हमें विश्वास है कि ये राशि भी हमें आप जैसे सहयोगी और दानी व्यक्तियों से अवश्य प्राप्त होगी तथा ये रेम्प निर्माण पूरा होगा और करण, राजवीर, हर्ष और इनके मित्र बहुउद्देशीय हॉल मे स्वयं पहुंचेगे और विभिन्न प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेकर आत्मनिर्भरता और आत्म स्वाभिमान की ओर अग्रसर होगे।

बहुउद्देशीय हॉल का गेट

बहुउद्देशीय हॉल की सीढ़ियां जहां रेम्प बनाया जाना है

धन्यवाद

इस बाल मेले में निम्न व्यक्तियों /क्लबों द्वारा ईनाम प्रायोजित किये गये

प्रथम ईनाम म्यूजिक सिस्टम : श्री एसएन. नुवाल, लायन्स क्लब, अजमेर, द्वितीय ईनाम मोबाइल : श्री सुनिल गोयल, रोटरी क्लब, अजमेर तृतीय ईनाम प्रेस : श्री इन्द्रजीत पोखरणा, अजमेर, सात्वना पुरस्कार : श्री संजीव खण्डेलवाल, अजमेर

''आपकी सबसे मूल्यवान सम्पतियां और महानतम शक्तियाँ अदृश्य व अमूर्त होती है उन्हे कोई भी नहीं ले सकता। आप, और सिर्फ आप ही उन्हे दे सकते हैं देने से आपको प्रचुर प्रतिफल मिलेगा''

- डब्ल्यू क्लेमेन्ट स्टोन (1902-2002)

म्यूजिक सिस्टम प्राप्त करते हुये श्री आर.एस जोधा

मोबाइल प्राप्त करते हुये ईस्ट पाइन्ट स्कूल के छात्र दिपांशु झा

ईनामी कूपन विजेता

मोबाइल सैट प्राप्त करते हुये श्री सत्यनारायण

आइरन (प्रेस) प्राप्त करते हुये प्रज्ञान मिज्ञा, सैट एंसलम सैकण्डरी स्कूल

धन्यवाद मीडिया

www.punjabkesari.com
पंजाब केसरी
YOUTH INDIA YOUTH PAPER
रविवार, 9 फरवरी, 2014 ◆ जयपुर ◆

सामान्य के साथ विशेष बच्चों ने भी दिखाया दम

बाल मेले में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं बढ़-चढ़ कर लिया हिस्सा

बाल मेले की जानकारी लेते जिला कलेक्टर वैभव गालरिया।

अजमेर,(कासं): राजस्थान महिला कल्याण मण्डल की ओर से संचालित मीनू मनोविकास मन्दिर की ओर से चाचियावास में आयोजित बाल मेले में करीब 500 विशेष व सामान्य बच्चों ने भाग लिया। मेले के दौरान बच्चों ने मेहन्दी, पेन्टिंग, व विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। बच्चों के लिए मुख्य आकर्षण का केन्द्र एक मिनट गतिविधि रही, जिसमें एक टांग से उछलकर अधिक वस्तुएं उठाना, हाथ बांधकर बिस्कुट खाना, मोमबत्ती जलाना, एक हाथ से शर्ट पहनना, रिंग फेंकना, निशाना लगाना व सामान्य ज्ञान के प्रश्नों के जवाब देना, आंख बांध कर घोड़े के चित्र पर पूंछ लगाना आदि गतिविधियां थीं।

चटखारों का लिया आनन्द

मेले में लगी स्टालों पर बच्चों के साथ-साथ बड़ों ने भी पानी पताशे, भेल पुरी, चाट, आलू टिकिया, कचौरी-समोसे, दही पकौड़ी पेस्ट्री आदि व्यंजनों का लुत्फ उठाया। इनर व्हील क्लब व लॉयन क्लब का स्टालों में विशेष योगदान रहा।

झूले व चकरी का भी लिया मजा: स्कूल प्रांगण में लगे झूले व चकरी का भी बच्चों ने खूब आनन्द लिया। फिसल पट्टी, लालू पीलू पर झूमना व भूल भुलैया में दौड़ लगाना आदि बच्चों को खूब भाया।

नृत्य व गीतों की रही धूम: सम्पूर्ण मेले के दौरान बच्चों ने अलग-अलग प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। विशेष बच्चों ने अपने नृत्य प्रस्तुतियों से सभी को आश्चर्यचकित होने पर मजबूर कर दिया। राजस्थानी, देशभक्ति गानों के साथ-साथ फिल्मी गानों पर भी बच्चे जमकर थिरके। कठपुतली कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

इनामी ड्रॉ के प्रति रहा विशेष रुझान: जिला कलेक्टर व अन्य अतिथियों के द्वारा मेले के दौरान इनामी ड्रॉ निकाला गया तो यह सभी बच्चों व अन्य लोगों के लिए विशेष आकर्षण का केन्द्र रहा। कुल 16 लोगों को ड्रॉ में म्यूजिक सिस्टम, मोबाइल फोन, इलैक्ट्रोनिक प्रेस व अन्य सांत्वना पुरस्कार मिला मिला।

संस्थागत प्रदर्शनी से ली जानकारी: मेला स्थल पर लगाई गई प्रदर्शनी में बच्चों के साथ अभिभावकों व अन्य सभी अतिथियों ने सम्मिलित शिक्षा, पहला कदम, सीबीआर एडूस कारपेन्टरी, चाइल्ड लाइन, बकरी आधारित आजीविका संवर्धन व महिला स्वयं सहायता आदि कार्यों के बारे में फोटो, पोस्टर व बैनर आदि के माध्यम से संस्था के विभिन्न कार्यक्रमों व गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की।

कलेक्टर की भी भागीदारी: जिला कलेक्टर वैभव गालरिया व उनकी पत्नी प्रतिभा गालरिया ने मेले में लगाई गई संस्थागत प्रदर्शनी व प्रतियोगिता स्थलों का अवलोकन कर विशेष बच्चों के लिए आयोजित की जाने वाली गतिविधियों की विस्तृत जानकारी ली। स्वयं भी निशानेबाजी, गेंद से बोतल गिराना, आंख बांधकर घोड़े के चित्र को पूंछ लगाना आदि गतिविधियों में भाग लिया।

गालरिया ने इस अवसर पर कहा कि प्रत्येक सामान्य व्यक्ति को विशेष आवश्यकता वाले बच्चे के क्रिया कलापों को स्वयं महसूस करने से ही इनके प्रति अधिक संवेदनशील बनाया जा सकता है। मेले का उद्घाटन जिला कलेक्टर वैभव गालरिया एवं क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान के प्राचार्य बी.के. कांकरिया, प्रतिभा गालरिया, मोनिका एसआरजी, सोमरत्न आर्य, अजय विक्रम सिंह, प्रसन्न सिंहल व कमल शर्मा, आर.के. साहू, मि. सुनाई संगीता सामना आदि ने विशिष्ट अतिथि के रूप में बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

समापन समारोह

समापन समारोह में संस्था की मुख्य कार्यकारी क्षमा कौशिक ने सभी बच्चों व अध्यापकों के साथ अभिभावकों व मेले में सहयोग प्रदान करने वाले सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। कार्यकारी सचिव सागरमल कौशिक ने प्रतिभागियों को प्रशस्ति-पत्र व पुरस्कार दिया। मेला आयोजन में भगवान सहाय शर्मा, तरुण शर्मा, पपा चौहान, नानूराम प्रजापति, मनार मोहम्मद, दिनेश चौधरी, रणसिंह चौहान, लक्ष्मण सिंह, जयप्रकाश, रामेश्वर प्रजापति आदि का सहयोग रहा।

दैनिक नवज्योति
रविवार 9 फरवरी 2014 पृष्ठ सं. 6

मीनू मनोविकास मंदिर में आयोजित बाल मेले का अवलोकन करते जिला कलेक्टर गालरिया व अन्य अतिथि। प्रेस फोटो-एम. अली

बच्चों ने मेले में की खूब मौज-मस्ती

अजमेर, 8 फरवरी (कासं)। चाचियावास स्थित मीनू मनोविकास मंदिर में शनिवार को बाल मेले का आयोजन किया गया। जिसमें विशेष व सामान्य बच्चों ने हिस्सा लेकर मौज-मस्ती की। मेले का उद्घाटन जिला कलक्टर वैभव गालरिया व क्षेत्रीय शिक्षण संस्थान के प्राचार्य बी.के. कांकरिया ने किया। संस्था की क्षमा आर. कौशिक ने अतिथियों का स्वागत किया।

मेले में चाट-पकौड़ी समेत व्यंजनों की स्टालों के अलावा झूले व चकरी की भी व्यवस्था की गई थी। झूलों में बच्चे उत्साह व रोमांच से झूलते नजर आए। उन्होंने फिसल पट्टी पर फिसल कर व भूल-भुलैया में दौड़ लगाने के मजे लिए। डी जे पर राजस्थानी और फिल्मी गीतों पर नृत्य किया। इस अवसर पर ड्रा भी निकाला गया।

राजस्थान पत्रिका
अजमेर, रविवार 9 फरवरी, 2014

बाल मेले में दिखाया उत्साह

रोचक प्रतियोगिताओं में लिया हिस्सा

अजमेर. राजस्थान महिला कल्याण मंडल द्वारा संचालित मीनू मनोविकास मंदिर में शनिवार को बच्चों ने बाल मेले के दौरान रोचक खेलों और स्पर्धाओं में उत्साह दिखाया। वहीं झूलों और चाट-पकौड़ियों का लुत्फ भी उठाया। जिला कलक्टर वैभव गालरिया ने मेले का शुभारम्भ किया।

मीनू मनोविकास मंदिर में बाल मेले में शिरकत करते जिला कलक्टर वैभव गालरिया।

मेले में बच्चों ने मेहन्दी, पेंटिंग, चाट-पोस्टर प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। इसके अलावा भी कई प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

बाल मेले में पानी पताशे, भेलपुरी, चाट, आलू टिकिया, कचौरी, समोसे, दही बड़े की स्टॉल पर भीड़ उमड़ी। बाद में ईनामी ड्रॉ निकाले गए। मुख्य कार्यकारी अधिकारी क्षमा आर. कौशिक ने धन्यवाद दिया।

सच्चा हमसफर
दैनिक नवज्योति
अजमेर, शनिवार, 8 फरवरी 2014

बाल मेला आज

अजमेर। राजस्थान महिला कल्याण मंडल संस्था द्वारा शनिवार को चाचियावास स्थित विश्वामित्र आश्रम में बाल मेले का आयोजन किया जाएगा। मुख्य कार्यकारी अधिकारी क्षमा काकड़े कौशिक ने बताया कि मेले का उद्देश्य विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को समाज के दूसरे बच्चों के साथ संवाद स्थापित कर उन्हें मंच उपलब्ध कराना है।

दैनिक भास्कर, अजमेर
शनिवार, 8 फरवरी, 2014

बाल मेला आज

राजस्थान महिला कल्याण मंडल संस्था द्वारा 8 फरवरी को ''विश्वामित्र आश्रम'' चाचियावास में बाल मेले का आयोजन किया जाएगा। मुख्य कार्यकारी क्षमा काकड़े कौशिक ने बताया की मेला सुबह 10 बजे शुरू होगा।

सुर्खियां

विश्व विकलांगता दिवस : संस्था द्वारा संचालित मीनू मनोविकास मन्दिर इन्क्लूसिव स्कूल चाचियावास में विश्व विकलांगता दिवस दिनांक 3.122013 को मनाया गया। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य समाज में विकलांगता के क्षेत्र में जागरूकता लाना था।

विकलांग बच्चों हेतु बोटोक्स एवं फिजियोथैरेपी कैम्प : 7 दिसम्बर 2013 को फिजियो रिहेबिलिटेशन एण्ड हैल्थ केयर सेन्टर दिल्ली के सयुक्त तत्वाधान में बोटोक्स के महत्व एवं फिजियोथैरेपी में केम्बिनेशन थैरेपी पर एक दिवसीय कैम्प एवं संगोष्ठी आयोजित की गई। सेरेब्रल पाल्सी एवं ऑटिज्म जैसी बिमारियो के लिए बोटोक्स थैरेपी और फिजियो थैरेपी का महत्व बताया। इस कैम्प में 25 अभिभावकों ने जानकारी प्राप्त की और बच्चों के लिए विशेषज्ञों से परामर्श प्राप्त किया। डॉ.विकास शर्मा व डॉ.रेणु सैनी ने बताया कि बोटोक्स इन्जेक्शन का नाम है जो अंग बच्चे का सख्त होता है उस जगह लगाया जाता है एवं 6माह के अन्तराल में दूसरा लगता है इससे बच्चे को फायदा होता है उनके चलने - फिरने में भी अन्तर आता हैं। ऑटिज्म बच्चों की बिमारियों के विषय में समझाया गया उनकी हाईपर एक्टिविटी को कम कैसे किया जाये इस सम्बन्ध में थैरेपी टिप्स समझाये गये।

क्रिसमस पर्व : दिनांक 24-12-13 को मीनू मनोविकास मन्दिर इन्क्लूसिव स्कूल में क्रिसमस पर्व बड़े हर्षोत्साह के साथ मानाया गया। कार्यक्रम से पूर्व विद्यालय के बच्चों एवं स्टाफ ने मिलकर क्रिसमस ट्री बनाया व बच्चों द्वारा अपनी-अपनी कक्षाओं में क्रिसमस ट्री की सजावट सामग्री तैयार की जिसमें बच्चों ने सितारें, फूल, पत्तियां आदि वस्तुएं बनाई। सांता क्लॉज द्वारा बच्चों को केक, उपहार एवं गिफ्ट बांटे। इसके साथ ही सभी बच्चों ने सांता के साथ मस्ती व नृत्य किया।

एसेसमेन्ट हेतु प्रशिक्षण : दिनांक 25 से 30 दिसम्बर 2013 के दौरान संस्था एवं परकिन्स वोइस एण्ड विजन इण्डिया के सहयोग से प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य दृष्टि बाधित एवं बहुविकलांग बच्चों के साथ कार्य कर रहे अध्यापकों एवं गृह आधारित पुनर्वास कार्यक्रम का संचालन कर रहे कार्यकर्ताओ का क्षमतावर्धन करना था। प्रशिक्षण में ब्लाइण्ड पीपुल एशोशिएशन अहमदाबाद से श्रीमती विमल थावानी, नेशनल ऐशोशिएशन फोर ब्लाइण्ड, दिल्ली से श्रीमति नंदिता सारत एवं श्रीमति सुनिता, स्वयं रिहेब चाइल्ड गाइडेन्स सेन्टर नोएडा से ओक्युपेशनल थेरेपिस्ट डॉ. कुमुद शर्मा एवं अजमेर से श्री जगदीश प्रताप तिवाड़ी से सन्दर्भ व्यक्ति के रूप में संभागियों को बहुविकलांगता एवं दृष्टि बाधित बच्चों के साथ कार्य करने तरीका, एसेसमेन्ट करना, ब्रेल लिपी, थैरेपेटिक इन्टरवेशन आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

नेशनल चेम्पियनशीप रोलर स्केटिंग : दिनांक 6से 11 जनवरी 2014 को संस्था द्वारा संचालित मीनू मनोविकास मन्दिर इन्क्लूसिव स्कूल चाचियावास के 6 एथलीट व 2 कोच ने स्पेशल ओलम्पिक भारत द्वारा आयोजित नेशनल चेम्पीयनशीप रोलर स्केटिंग में भाग लिया। जाट रेजीडेंसी बरेली (U.P.) में प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में सभी राज्यों से आये एथलीट व कोच रेस में सम्मिलित हुए। इस समारोह में अतिथियों में जाट रेजीडेण्ट के कर्नल भवंर सिंह राठौड़ व स्पेशल ओलम्पिक भारत के डाइरेक्टर श्री एयर मार्शल डेजिंग किलर, अशोक कुमार गोयल उपस्थित थे। मनीष, फाल्गुन, वस्सी उल्लाह, शुभम एवं मोनिका बच्चों ने भाग लिया और गोल्ड, सिल्वर और कांस्य पदक जीते। कोच पद्मा चौहान एवं रामेश्वर प्रजापति बच्चों के साथ रहे।

मकर संक्रान्ति : दिनांक 13.01.14 को विद्यालय में मकर संक्रान्ति पर्व बड़े हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ सामान्य एवं विशेष बच्चों के बीच में भेदभाव को मिटाने का प्रयास करते हुये मनाया गया। इस कार्यक्रम में बच्चों के साथ (ड्राईंग) सृजनात्मक गतिविधि करवायी गई, जिसमें बच्चों ने स्वतन्त्र चित्र-पतंग, धागा, चरखी तथा अन्य चित्र बनाकर उनमें सुन्दर-सुन्दर रंग भरे।

26 जनवरी : राजस्थान महिला कल्याण मण्डल संस्था द्वारा संचालित मीनू मनोविकास मन्दिर इन्क्लूसिव स्कूल में 65 वां गणतन्त्र दिवस समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

"संस्था विजिट" : दिनांक 13 जनवरी 2014 को श्री केसी. वर्मा, निदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, जयपुर ने संस्था परिसर की विजिट की एवं संस्थागत कार्यों का अवलोकन किया।

"समर्थ 2014" : दिनांक 15 से 16जनवरी 2014 को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार एवं अरूणिम दिल्ली के सहयोग से आयोजित समर्थ 2014 में संस्था आर्टिजन रामनिवास प्रजापत एवं अजीत सिंह ने भाग लिया। इस मेले का उद्घाटन यूपीए अध्यक्ष, श्रीमती सोनिया गांधी व शैलेजा कुमारी मंत्री, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार एवं श्रीमती तिल्कम, डायेरक्टर अरूणिम, दिल्ली ने किया। इस मेले का उद्देश्य विशेष आवश्यकता वाले लोगों की कला को लोगों के सामने लाना था।

संभाग स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता : दिनांक 25-26फरवरी 2014 सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग व संजय इन्क्लूसिव विद्यालय की ओर से आयोजित सम्भाग स्तरीय विशेष खेलकूद प्रतियोगिता गुरूद्वारा मैदान में शुरू हुई प्रतियोगिता में बधिर विद्यालय अजमेर, संकल्प लाडनू, नागौर, भीलवाड़ा, टोंक, मीनू मनोविकास मन्दिर इन्क्लूसिव स्कूल चाचियावास, पुष्कर सीब्रीआर व अजमेर सीब्रीआर. के करीब 250 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। विभिन्न प्रतियोगिता में अजमेर की प्रतिभाओं का दबदवा रहा।

प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि तहसीलदार मदनलाल नागर तथा सामाजिक न्यय एवं अधिकारिता विभाग की उपनिदेशक विजय लक्ष्मी गौंड़ व संस्था के मुख्य कार्यकारी क्षमा आर कौशिक उपस्थित थे। ब्यावर केन्द्र प्रभारी रणसिंह चीता ने बताया की कार्यक्रम में बच्चों ने सांस्कृतिक गायन व नृत्य की पेश किया कार्यक्रम में श्री गुरूद्वारा कमेटी के प्रधान त्रिलोचन सिंह हुडा, राम पंजाबी, रमेश यादव, अवतार सिंह आदि मौजूद थे। प्रतियोगिता का समापन समारोह दिनाँक 26फरवरी 2014 को गुरूद्वारा मैदान ब्यावर में आयोजित किया जिसमें मुख्य अतिथि श्री भगवती प्रसाद कलाल, उपखण्ड अधिकारी ब्यावर, अध्यक्षता डॉ.मुकेश मौर्य सभापति नगर परिषद, ब्यावर ने की संस्था के वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी श्री राकेश कुमार कौशिक ने सबका आभार व्यक्त किया।

प्रतिष्ठा में, _____

मुद्रित सामग्री | बुक पोस्ट

_____

_____

राजस्थान महिला कल्याण मण्डल संस्था
"विश्वामित्र आश्रम"
ग्राम – चाचियावास (जनाना अस्पताल से 4 किमी आगे),
पोस्ट – गगवाना, अजमेर, जिला-अजमेर (राज.) 305023
Email : rmkm_ajm@yahoo.com, rmkm.a@rediffmail.com
Ph.# : 0145-2794481, Fax : 0145-2794482, Mob.: 9829140992

सौजन्य : Vibha
मुद्रक : प्रगति प्रिन्टर्स, पुरानी मंडी, अजमेर